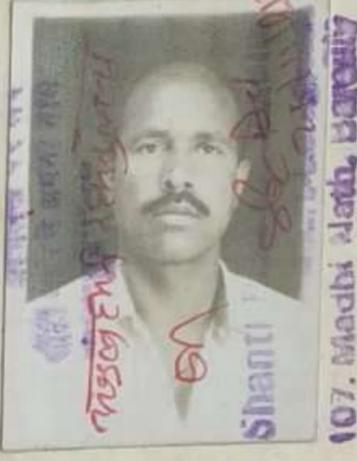
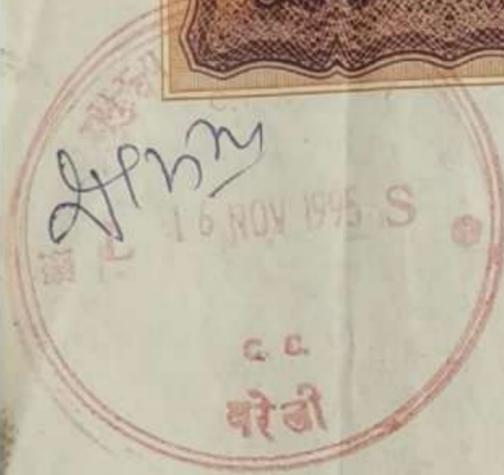


8 पेडा

2520/2007

2919

1000Rs.



228

पत्रां पं. है।

अपर तहसीलदार बरेली

मैं वि. श्री. श्री. सलीमन पटना श्री खुदन
 निवासी ग्राम चण्डपुर बिचपुरा पटना
 व तदसाल व जिला बरेली का हूँ निवासी
 मैं अनुसूचित एवं जनजाति का सदस्य
 नहीं हूँ मैं आपकी सुनौती से व दुखती
 होश व दवाय में विला विसी जय
 व दवाय के रखन साथ व सततता
 आपकी मारजी मारी धरा रखसततवर
 मैं नि. श्री. श्री. सलीमन

नं० 3828
१०००

अब्दुल हसन पुत्र अब्दुल क़दिर

पत्नी चम्पू विचयणी बरेली

१०००

१८-११-९५

₹ 30000/-
31800/-

मुन्ना लाल स्टाम्प वेंडर
रजिस्ट्री महातांबरेली

श्री अब्दुल क़दिर पुत्र पत्नी श्री इंदु
पत्नी चम्पू विचयणी
तहसील व जिला बरेली ने यह लेखपत्र आज
दिनांक २-११-९५ को मध्य ३ व ५ को दिन
कार्यालय उप-निबंधक तृतीय बरेली में प्रस्तुत किया।



उप निबंधक तृतीय
बरेली २१/११/९५

इस लेखपत्र का निष्पादन करना तथा
अपने पूर्व प्राप्ति का उक्त शीतल (रजिस्ट्री)
लेखपत्र दिनांक २१/११/९५

जिनकी बहिन श्री प्रमला (अनार) पुत्र श्री राजेश २१/६
दिवासी
तथा श्री अब्दुल क़दिर पुत्र श्री इंदु वि. गाँव
निवासी चम्पू विचयणी बरेली की



उप निबंधक तृतीय
बरेली २१/११/९५

इस लेखपत्र को प्रस्तुत करने वाले गवाहों को प्रमुख
अपने नाम लिखने होंगे।

9/10 1000Rs. 2



Handwritten signature and a red circular postmark dated 16 NOV 1995 S. Below the postmark, it says 'O.C. बोडी'.

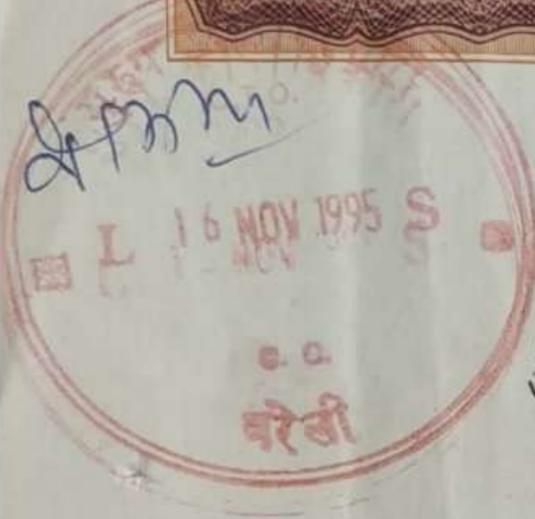
229

पांच रुपया दो लाखा ३॥१५-४ तीन वीधा
पन्द्रह विख्या चार विख्यामा कुकना ते स
अपना कुल माग घाने हिस्सा व बदर
१२ रुपया वर तीन माग दुगल कुवळ गावा
जिस्सा लागण सालाना नौ रुपय वीस
दोन रुपय माग चन्द्र कुल विचपुरा
परगना व तहसील व जिला बैरली मागला
व तकवूजा अपना जिस्सा कुविले मालिक
आगत व दरवाल चली गाला हे जिस्सा
वाकत कुविले जो रहन वत के कुल
मावला हासिल हे जो इस सभ
के नि.जी.ती.सलागत



9/49

1000Rs.



230

किसी जगह किसी तीर पर रहने का
 बुद्धिमान जगह का काम नहीं है।
 सब तरह का पाप व शान्त है ऐसा
 ही इतिहास अपनी जिज्ञासा पर
 रविवार का दिनांक मान सब हरे
 व हनुमान विवाहिक दारिद्र्य व शक्ति
 के विलक्षण मुवाला 30, 000/-
 तीस हजार रुपये के अदरक
 अद्भुत हसन फुज की रहन तुलना
 निवास काग चन्दुल विचयुरी

श्री. नि. श्रीमती मलिन





विक्रम का कोई दावा आप मुझे
 हाजा से होगा वह वातिल होगा
 उसका जुगला जवाब देही व जिम्मेदारी
 व देतदारी व वापसी और सतत के
 मुझ वाप के दोगी विक्रप संपात
 मानकर लान व भवन सौलिंग
 से वाद है तथा उपान्त सेज है
 मानकर है विक्रप संपात सडक
 से लगतग उद विक्रप संपात का
 दरी पर ही विक्रप संपात का
 मे नि. नली नली सली नन

9/23



मुझापदा एत ए वसोपत नाना
 नही हुमा ही वाजारी कागत
 मुवालिग 31 8 77। - इकतीस
 हजार आठ सौ रुपये है लिखाजा
 यह अपनाता अन्तरे लिख दिया
 कि सन् ५ है पकत

श्री वि. श्रीमती सलीमन

July

20 Rs.



हस्ताक्षर

पूर्व: - राखी खान

पश्चिम: - रवि लाल मुहम्मद

उत्तर: - रवि अब्दुल हमीद व इस्मायिल

दक्षिण: - चकमाग

तत्कालीन बख्श और सपन अहमद रजिस्ट्री
पाप कुवाली 30, 000/- तीस हजार रुपये

श. नि. नबीगले अलाग	श. नि. अमानत अली	अब्दुलकदीर
	श. नि. कुली गरीब	हुसैन अहमद
	श. नि. आग चकमाग	चकमाग वीर
	विद्युत नठ बरेली	तहसील बरेली

लेखक व तारीख इत्यादि नक्कल (नई दिल्ली)
शान गौध आदि व बरेली

30/7/1955

नं० ३४३१

नं० ३४२४

३०/१०

३०/१०

१८-११-१५

गुन्ना लाल स्टाम्प वेंडर
एबिस्ट्री महाता बरेली

बाद संख्या 571/96
वैनामा/वसीया/गारजा/वापसी दि० 27-5-96
न्यायालय थप. क. सी. नगर (गदर) बरेली



अन्य दि० 21-11-95 को फोटो स्टेट

प्रत पु. त. सं० 1 खण्ड 162
के पृष्ठ 193-208 कम सं० 2919
पर रजिस्ट्रीकृत किया गया।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी चतुर्थ
बरेली

